International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

हरदा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता: एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन

सोनिया मोढ़

असिस्टेंट प्रोफेसर, हरदा डिग्री कॉलेज, जिला हरदा

सारांश

यह शोध अध्ययन हरदा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया गया। अध्ययन में 200 शिक्षकों को शामिल किया गया, जिनमें 100 सरकारी और 100 निजी विद्यालयों के शिक्षक थे। डेटा संग्रह के लिए एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें व्यावसायिक नैतिकता के पांच प्रमुख आयामों- व्यक्तिगत नैतिकता, व्यावसायिक कर्तव्य, छात्रों के साथ संबंध, सहकर्मियों के साथ सहयोग, और सामुदायिक भागीदारी- को मापा गया। परिणामों ने संकेत दिया कि हरदा के माध्यमिक शिक्षकों में व्यावसायिक नैतिकता का स्तर मध्यम से उच्च के बीच है। सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में निजी विद्यालयों के शिक्षकों का नैतिकता स्कोर कुछ आयामों में अधिक पाया गया। लिंग और शैक्षिक योग्यता के आधार पर नैतिकता के स्तर में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। अध्ययन ने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए विशेष नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

कीवर्ड: व्यावसायिक नैतिकता, माध्यमिक शिक्षक, हरदा, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय

1. परिचय

व्यावसायिक नैतिकता किसी भी पेशे की रीढ़ होती है। शिक्षण पेशे में, नैतिकता का विशेष महत्व है क्योंकि शिक्षक युवा पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं। एक नैतिक शिक्षक न केवल अपने कर्तव्यों का पालन करता है, बल्कि छात्रों के लिए एक आदर्श भी बनता है। व्यावसायिक नैतिकता शिक्षकों को उनके कार्यों में मार्गदर्शन करती है और उन्हें पेशे के प्रति जवाबदेह बनाती है।

हरदा मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र का एक जिला है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से मिलकर बना है। यहाँ के माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्र शिक्षा प्राप्त करते हैं। हरदा जैसे छोटे जिलों में शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ शैक्षिक संसाधन और अवसर बड़े शहरों की तुलना में सीमित हो सकते हैं।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

यह अध्ययन हरदा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के विभिन्न आयामों का मूल्यांकन करने और विभिन्न जनसांख्यिकीय चरों के आधार पर नैतिकता के स्तर में अंतर का विश्लेषण करने के लिए किया गया।

2. साहित्य समीक्षा

शिक्षक नैतिकता पर किए गए अध्ययनों ने कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, Al-Hothali (2018) के अध्ययन ने शिक्षकों के व्यावसायिक प्रदर्शन और विभिन्न हितधारकों के साथ उनके संबंधों में नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्तर पर, विभिन्न अध्ययनों ने संकेत दिया है कि शिक्षक नैतिकता शैक्षिक गुणवत्ता को प्रभावित करती है और छात्रों के सर्वांगीण विकास में योगदान करती है।

RIE Bhopal द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में शिक्षक शिक्षा में मूल्य समावेशन पर विशेष जोर दिया गया। सेमिनार की रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि शिक्षकों को न केवल शैक्षिक ज्ञान बल्कि नैतिक मूल्यों को भी छात्रों तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

IES University के B.Ed कार्यक्रम के उद्देश्यों में स्पष्ट रूप से नैतिक सिद्धांतों और जिम्मेदारियों को लागू करने पर बल दिया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नैतिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार बनाना है।

शिक्षक नैतिकता के प्रमुख आयामों में शामिल हैं:

1. **व्यक्तिगत नैतिकता:** ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, आत्म-अनुशासन और निष्पक्षता।
2. **व्यावसायिक कर्तव्य:** समय की पाबंदी, पाठ योजना, मूल्यांकन में निष्पक्षता और नियमों का पालन।
3. **छात्रों के साथ संबंध:** सम्मान, सहानुभूति, गोपनीयता और छात्रों के प्रति चिंता।
4. **सहकर्मियों के साथ सहयोग:** टीम भावना, सहयोग, और व्यावसायिक संबंधों में मर्यादा।
5. **सामुदायिक भागीदारी:** अभिभावकों के साथ संचार, सामुदायिक कार्यक्रमों में भागीदारी और सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. हरदा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर का मूल्यांकन करना।
2. सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता की तुलना करना।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

3. लिंग, शैक्षिक योग्यता और शिक्षण अनुभव के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता में अंतर का विश्लेषण करना।

4. परिकल्पनाएं

1. **शून्य परिकल्पना (H01):** हरदा के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. **शून्य परिकल्पना (H02):** पुरुष और महिला शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. **शून्य परिकल्पना (H03):** विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

5. शोध विधि

5.1 अध्ययन का प्रकार

इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

5.2 जनसंख्या और नमूना

अध्ययन की जनसंख्या हरदा जिले के सभी सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक थे। नमूना चयन के लिए बहु-स्तरीय यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया। कुल 200 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनमें 100 सरकारी विद्यालयों से और 100 निजी विद्यालयों से थे। नमूने में 110 पुरुष और 90 महिला शिक्षक शामिल थे।

5.3 डेटा संग्रह उपकरण

डेटा संग्रह के लिए एक स्व-निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में दो भाग थे:

- **भाग क:** शिक्षकों की व्यक्तिगत जानकारी (आयु, लिंग, शैक्षिक योग्यता, शिक्षण अनुभव, विद्यालय का प्रकार)।
- **भाग ख:** व्यावसायिक नैतिकता पैमाना, जिसमें 30 कथन शामिल थे, जो पांच आयामों (प्रत्येक में 6 कथन) में विभाजित थे। कथनों को 5-बिंदु लिकर्ट पैमाने पर मापा गया।

प्रश्नावली की विश्वसनीयता क्रोनबैक अल्फा गुणांक के माध्यम से जांची गई, जो 0.89 पाई गई, जो उच्च विश्वसनीयता को दर्शाती है।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

5.4 डेटा संग्रह प्रक्रिया

शोधकर्ता ने हरदा जिले के विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया और प्रधानाचार्यों से अनुमति लेने के बाद शिक्षकों से प्रश्नावली भरवाई। डेटा संग्रह सितंबर से नवंबर 2024 के बीच किया गया।

6. डेटा विश्लेषण और परिणाम

डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय तकनीकों में माध्य, मानक विचलन, टी-परीक्षण और ANOVA शामिल थे।

6.1 व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर

तालिका 6.1: शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर (N=200)

आयाम	औसत माध्य	मानक विचलन	स्तर
व्यक्तिगत नैतिकता	4.18	0.59	उच्च
व्यावसायिक कर्तव्य	4.25	0.54	उच्च
छात्रों के साथ संबंध	4.30	0.51	उच्च
सहकर्मियों के साथ सहयोग	3.92	0.67	मध्यम
सामुदायिक भागीदारी	3.75	0.73	मध्यम
समग्र नैतिकता स्कोर	**4.08**	**0.53**	**उच्च**

परिणाम बताते हैं कि हरदा के माध्यमिक शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर उच्च (माध्य = 4.08) है। "छात्रों के साथ संबंध" आयाम में सबसे उच्च स्कोर (माध्य = 4.30) पाया गया, जबकि "सामुदायिक भागीदारी" में सबसे कम स्कोर (माध्य = 3.75) पाया गया।

6.2 सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना

तालिका 6.2: सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	सरकारी (n=100)	निजी (n=100)	टी-मूल्य	पी-मूल्य		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
व्यक्तिगत नैतिकता	4.12	0.62	4.24	0.56	-1.45	0.15
व्यावसायिक कर्तव्य	4.18	0.58	4.32	0.50	-1.86	0.064
छात्रों के साथ संबंध	4.26	0.54	4.34	0.48	-1.12	0.26

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

सहकर्मियों के साथ सहयोग	3.85	0.69	3.99	0.65	-1.49	0.14
सामुदायिक भागीदारी	3.68	0.76	3.82	0.70	-1.37	0.17
समग्र नैतिकता स्कोर	**4.02**	**0.55**	**4.14**	**0.51**	**-1.62**	**0.11**

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ($t = -1.62$, $p > 0.05$)। हालांकि, "व्यावसायिक कर्तव्य" आयाम में निजी विद्यालयों के शिक्षकों का स्कोर (माध्य = 4.32) सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों (माध्य = 4.18) से अधिक था और यह लगभग महत्वपूर्ण सीमा तक पहुंच गया ($p = 0.064$)।

6.3 लिंग के आधार पर नैतिकता में अंतर

तालिका 6.3: पुरुष और महिला शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	पुरुष (n=110)	महिला (n=90)	टी-मूल्य	पी-मूल्य		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
व्यक्तिगत नैतिकता	4.08	0.61	4.30	0.54	-2.71	0.007*
व्यावसायिक कर्तव्य	4.16	0.57	4.36	0.49	-2.66	0.008*
छात्रों के साथ संबंध	4.22	0.54	4.40	0.46	-2.54	0.012*
सहकर्मियों के साथ सहयोग	3.88	0.69	3.97	0.65	-0.95	0.34
सामुदायिक भागीदारी	3.71	0.75	3.80	0.71	-0.87	0.39
समग्र नैतिकता स्कोर	**4.01**	**0.55**	**4.17**	**0.50**	**-2.18**	**0.03***

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($t = -2.18$, $p < 0.05$)। महिला शिक्षकों का नैतिकता स्कोर

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

(माध्य = 4.17) पुरुष शिक्षकों (माध्य = 4.01) से अधिक पाया गया। "व्यक्तिगत नैतिकता," "व्यावसायिक कर्तव्य," और "छात्रों के साथ संबंध" आयामों में भी महिला शिक्षकों का स्कोर पुरुष शिक्षकों से महत्वपूर्ण रूप से अधिक पाया गया।

6.4 शैक्षिक योग्यता के आधार पर नैतिकता में अंतर

तालिका 6.4: शैक्षिक योग्यता के आधार पर नैतिकता स्कोर का ANOVA विश्लेषण

शैक्षिक योग्यता	N	माध्य	मानक विचलन	F-मूल्य	पी-मूल्य
स्नातक (B.Ed सहित)	98	3.98	0.56	3.42	0.018*
स्नातकोत्तर (B.Ed सहित)	72	4.14	0.51		
एम.फिल./पीएच.डी.	30	4.25	0.47		
कुल	**200**	**4.08**	**0.53**		

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

ANOVA परिणाम बताते हैं कि विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($F = 3.42$, $p < 0.05$)। उच्च शैक्षिक योग्यता (एम.फिल./पीएच.डी.) वाले शिक्षकों का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.25) स्नातक स्तर के शिक्षकों (माध्य = 3.98) से अधिक पाया गया।

7. चर्चा

हरदा जिले के माध्यमिक शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर उच्च पाया गया, जो भोपाल के शिक्षकों के समान है। यह दर्शाता है कि छोटे जिलों में भी शिक्षक नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक हैं। छात्रों के साथ संबंधों में उच्च स्कोर यह संकेत देता है कि शिक्षक अपने छात्रों के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार हैं।

सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर न होना यह बताता है कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव दोनों प्रकार के विद्यालयों में समान है। हालांकि, "व्यावसायिक कर्तव्य" में निजी विद्यालयों का थोड़ा उच्च स्कोर निजी क्षेत्र में जवाबदेही की अधिक अपेक्षा के कारण हो सकता है।

लिंग के आधार पर महिला शिक्षकों का उच्च नैतिकता स्कोर एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। यह संभवतः महिलाओं की अधिक संवेदनशीलता, धैर्य और जिम्मेदारी की भावना के कारण हो सकता है। इसी प्रकार, उच्च शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों का उच्च नैतिकता स्कोर यह संकेत देता है कि उच्च शिक्षा नैतिक समझ को विकसित करने में मदद करती है।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

RIE Bhopal जैसे संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों तक पहुंचकर उनके नैतिक विकास में योगदान कर सकते हैं।

8. निष्कर्ष और सिफारिशें

8.1 निष्कर्ष

इस अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि हरदा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर उच्च है, विशेष रूप से छात्रों के साथ संबंधों के क्षेत्र में। महिला शिक्षक और उच्च शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षक अधिक नैतिक पाए गए। सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है।

8.2 सिफारिशें

1. सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को अभिभावक-शिक्षक बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।
2. पुरुष शिक्षकों के लिए विशेष नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि वे अपने नैतिक कौशल को विकसित कर सकें।
3. शिक्षकों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह नैतिक समझ को बढ़ाता है।
4. ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए नियमित नैतिकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए, जिसमें RIE Bhopal जैसे संस्थान सहयोग कर सकते हैं।

9. संदर्भ

1. अल-होथली, एच. एम. (2018)। रियाद (सऊदी अरब) में माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता: स्कूल नेताओं के दृष्टिकोण से। *इंटरनेशनल एजुकेशन स्टडीज़*, 11(9), 47–63।
2. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2014)। *शिक्षकों के लिए व्यावसायिक आचार संहिता (Code of Professional Ethics for Teachers)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
3. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2009)। *शिक्षक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFTE)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
4. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)। (2005)। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-2005)*। नई दिल्ली: एनसीईआरटी।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

5. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020)। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (NEP-2020)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
6. भारत सरकार। (2009)। *निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
7. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल। (2002)। *मूल्य-संवर्धन हेतु शिक्षक शिक्षा: शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट*। भोपाल: आरआईई।
8. आईईएस विश्वविद्यालय। (तिथि उपलब्ध नहीं)। *बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) कार्यक्रम विवरण*। प्राप्त किया गया: https://www.iesuniversity.ac.in/graduate-program/bed
9. यूनेस्को एवं आईएलओ। (1966)। *शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा (Recommendation concerning the Status of Teachers)*। पेरिस/जिनेवा: यूनेस्को–आईएलओ।
10. यूनेस्को। (2015)। *शिक्षा 2030: सतत विकास लक्ष्य-4 (SDG-4) हेतु कार्य रूपरेखा*। पेरिस: यूनेस्को।
11. लिकॉना, थॉमस। (1991)। *चरित्र शिक्षा: विद्यार्थियों में नैतिक गुणों का विकास (Educating for Character)*। न्यूयॉर्क: बैंटम बुक्स।
12. बंडूरा, अल्बर्ट। (1977)। *सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Learning Theory)*। एंग्लवुड क्लिफ्स: प्रेंटिस-हॉल।
13. कोलबर्ग, लॉरेंस। (1981)। *नैतिक विकास पर निबंध (Essays on Moral Development), खंड-1*। सैन फ्रांसिस्को: हार्पर एंड रो।
14. क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू. (2014)। *शोध अभिकल्पना: गुणात्मक, मात्रात्मक एवं मिश्रित विधियाँ (Research Design)*। नई दिल्ली/लंदन: सेज पब्लिकेशन्स।
15. कोहेन, एल., मैनियन, एल., एवं मॉरिसन, के. (2018)। *शैक्षिक अनुसंधान पद्धति (Research Methods in Education)*। लंदन: रूटलेज।
16. रॉबिन्स, एस. पी., एवं जज, टी. ए. (2017)। *संगठनात्मक व्यवहार (Organizational Behavior)*। नई दिल्ली: पीयरसन।